जनसत्ता, 17-3-16, पृ० 4, 9

किसानों के प्रतिनिधि मिले जंग से, मांगा मुआवजा

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, 16 मार्च। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य नरेश कुमार के नेतृत्व में बुधवार को दिल्ली के किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल उप राज्यपाल नजीब जंग और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय माकन से मिला। प्रतिनिधिमंडल की मांग थी कि अबकी बार फसल उजाड़े के लिए 50 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर दिया जाए। साथ ही पिछले साल का अभी जिनको पैसा नहीं मिला है, उसे तत्काल दिया जाए और ग्राम सभा की जमीन को वापस पंचायत निदेशक के तहत की जाए।

नरेश कुमार ने बताया कि पिछले साल दिल्ली के किसानों की जो फसल नुकसान हुई थीए उसकी घोषणा 50 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की गई थी। लेकिन वह घोषणा सिर्फ कागजों पर ही रह गई है और अभी तक बहुत सारे किसानों को मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के गांव के लोगों की हजारों एकड़ ग्रामसभा की जमीन जो पहले पंचायत निदेशक के तहत आती थी, उसे एक अध्यादेश के तहत केजरीवाल सरकार ने लैंड एंड बिल्डिंग के तहत ले लिया है। दरअसल जब भी दिल्ली सरकार ग्रामसभा की जमीन का अधिग्रहण करती थी तो उसके बदले में पैसे उस गांव के खाते में पंचायत निदेशक के यहां जमा कराती थी। लेकिन अब केजरीवाल सरकार अपने अध्यादेश के जरिए सारी की सारी जमीनों की मालिक हो गई है। वह जिसको चाहे ऐसी जमीनों को बेच सकते हैं या फिर एलाट कर सकते हैं। इस संबंध में अब गांव के लोगों से पूछने की जरूरत को समाप्त कर दिया गया है, जो सरासर गांव के लोगों के साथ धोखा है।

जनसत्ता P-9

बुंदेलखंड में ओलों से फसल बर्बाद

उरई (जालौन), 16 मार्च (जनसत्ता)। बुंदेलखंड में पहले ही किसान सूखे से परेशान थे, जैसे-तैसे फसलों की बुआई कर थोड़ी-बहुत फसलों को हरा किया, उन फसलों में दाने भी आने लगे थे। लेकिन कुदरत को यह मंजूर नहीं था। सोमवार की रात्रि मौसम ने अचानक माहौल बदला आंधी के साथ ओले गिरे, जिससे दलहन व गेहूं की फसलों में 70 से 80 फीसद नुकसान फौरी तौर पर आंका गया।

जिलाधिकारी रामगणेश समस्त उपजिलाधिकारियों व तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्र में नुकसान का आकलन करने के लिए मौके पर भेजा और वे खुद जालौन तहसील के भिटारा गांव गए, जहां किसान पूरी तरह बर्बाद दिखा। कालपी तहसील के कदौरा व उरई तहसील के डकोर ब्लॉक को छोड़, सभी सातों ब्लॉकों में नुकसान की खबरें उनके पास आई हैं। अपर जिलाधिकारी आनंद कुमार को कालपी तहसील के कदौरा व महेवा ब्लॉक भेजा गया, जिसमें कदौरा ब्लॉक में फसलों में नुकसान 10 फीसद बताया है। वहीं महेवा ब्लॉक में 70 से 80 फीसद नुकसान आंका गया है। अपर जिलाधिकारी ने महेवा ब्लॉक के सधारा, हैदलपुर, भदरेखी, मुसमरिया, नसीरपुर आदि गांव में मौके पर जाकर देखा। इसके बाद जिलाधिकारी को फसलों के नष्ट होने की रिपोर्ट दी। वहीं जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर डॉ एपी सिंह को डकोर ब्लॉक भेजा, जहां उन्होंने औंता, अटरिया, जगतपुरा, चिरगुवा, आदि गांवों में देखा और बताया कि इन गांवों में ओले नहीं पड़े हैं। लेकिन पानी के साथ आंधी ने गेहूं की फसल को बर्बाद कर दिया है। सबसे ज्यादा नुकसान कोंच व जालौन तहसील में हुआ। कालपी और माधोगढ़ के कई गांवों में भारी नुकसान हुआ है। इसी बीच कालपी तहसील के बैन-बिनौरा व सौहरापुर के किसानों ने जिलाधिकारी को सैकड़ों ने नष्ट हुई फसलों को दिखाया और रोते हुए गुहार लगाई कि हमारा जीवन कैसे चलेगा व बच्चियों की शादी कैसे होगी।

आलू भंडारण न होने से किसान परेशान

बाराबंकी, 16 मार्च (जनसत्ता)। आलू भंडारण की समस्या से किसान निजात नहीं पा रहे हैं। कोल्ड स्टोर संचालकों उन्हीं किसानों की ट्रॉलियां स्टोर के अंदर ली जा रही है जिन्होंने संबंधित स्टोर में पिछली बार अपना आलू भंडारण किया था। इस हालात में किसानों की समस्याएं और बढ़ गई हैं। अब उन किसानों के लिए आलू भंडारण की समस्या खड़ी हो गई है। किसानों ने कोल्ड स्टोर संचालकों पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए जिला उद्यान अधिकारी से शिकायत की है। जिले में 23 कोल्ड स्टोरेज में आलू भंडारण किया जा रहा है। जिसकी कुल क्षमता 2 लाख 22 हजार 119 मीट्रिक टन है। अभी तक सिर्फ 1 लाख 45 हजार 672 मीट्रिक टन का भंडारण हो चुका है। शेष 75 हजार 447 मीट्रिक टन क्षमता बाकी है। किसान अपनी सुविधा के अनुसार कोल्ड स्टोरेजों में ट्रॉलियां लेकर चार दिन से लाइन में खड़े होकर आलू रख रहे हैं। उसके बावजूद भी शीतगृहों पर लंबी लाइनें लगी हैं। जिन कोल्ड स्टोरेज में जगह कम बची है उन्होंने किसानों को हटाने का नया तरीका अपना लिया है। स्टोर संचालक आलू लाने वाले किसानों का पिछला रिकार्ड देख रहे हैं। जिन किसानों ने पिछली बार आलू उनके कोल्ड स्टोर में रखा था उसी का आलू रख रहे हैं। जिला अधिकारी अजय यादव ने कहा कि किसानों को परेशान करने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

17-3-16

प्रभारी, समाचार पत्र यूनिट